खेल में हुआ क्या हंसी सितम,
दिल में हो पिया,तन में है हुकम
1- आप बैठे हो दिल में रूहों के,
नजर में आ रहीं ये नजाकतें
सुरता जब लगे,पल में रूह जगे,पर न उठ सके
आड़े है हुकम का यह तन

2- पिया से जा मिलूं,लगन ये रूह की,
निकल सके न पर,बंधी ये हुकम की
ये कैसी बेबसी,रूह बिलख रही,जीव छोड़े न
कर रही यत्न

3- खेल में वहीं, है देखा रूहों ने
जो दिल में था लिया,दिखाया आपने
हुई बड़ी हंसी,गुनाहों में फंसी,ज्यों जानो त्यो करो
है आपका हुकम

4- लेने आए हो,ले जावो आप ही,
यह काम आपका,करेंगे आप ही
अपनी रूहों के,गुनाह बख्श दो,खेल हो खत्म
हुकम को दो हुकम